भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4548

जिसका उत्तर सोमवार, 11 अगस्त, 2014 को दिया जाना है

ताप विद्युत प्रौद्योगिकी योजना

4548. श्री बी. श्रीरामुलु:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का देश में अत्याधुनिक सुपर-क्रिटिकल कोयला-आधारित ताप-विद्युत प्रौद्योगिकी योजना प्रारंभ करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त योजना के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ग) उक्त योजना के लिए सरकार द्वारा कितनी राशि आबंटित की गई है; और

(घ) सरकार द्वारा इस योजना के कार्यान्वयन के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री पोन्. राधाकृष्णन)

(क): जी, हां। केन्द्रीय बजट 2014-15 में अनुसंधान एवं विकास परियोजना के रूप में 'ताप विद्युत संयंत्रों के लिए उन्नत अल्ट्रा सुपर-क्रिटिकल (उन्नत-यूएससी) के विकास' हेतु एक नई योजना शुरू की गई है।

(ख): इस योजना का लक्ष्य और उद्देश्य ताप विद्युत संयंत्रों के लिए उन्नत-यूएससी प्रौद्योगिकी के अनुसंधान एवं विकास तथा अन्य पहलुओं को शुरू करना है ताकि विकसित प्रौद्योगिकी के आधार पर विद्युत संयंत्र दक्षता में सुधार (45-46% तक), कार्बन-डाइ-ऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी और कोल खपत के साथ-साथ 800 मेगावाट क्षमता वाले एक प्रदर्शन विद्युत संयंत्र की स्थापना की जा सके।

(ग): अनुसंधान एवं विकास चरण की समग्र लागत ₹1554 करोड़ होने का अनुमान है। वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए सरकार ने इस परियोजना हेतु ₹100 करोड़ का बजटीय प्रावधान किया है।

(घ): व्यय वित्त समिति ने दिनांक 23.06.2014 को इस परियोजना को अनुमोदित कर दिया है। मंत्रिमंडल के अनुमोदन की शर्त के अध्यधीन अनुसंधान एवं विकास संबंधी चरण पर कार्य शुरू किया जाएगा।

*****